Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to establish a centre of excellence for Animal Reproduction Centre under Rashtriya Gokul Mission in Maharajganj Parliamentary Constituency. of Bihar.

श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल (महाराजगंज): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके प्रति हृदय से धन्यवाद व्यक्त करना चाहता हूं कि आपने मुझे एक महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का अवसर दिया । मेरा संसदीय क्षेत्र महाराजगंज, लोक सभा बिहार राज्य के सारण प्रमंडल अंतर्गत जिला सारण और सीवान के विभिन्न क्षेत्रों को सम्मिलित कर गठित किया गया है । इन दोनों जिलों की आबादी लगभग 67 लाख 36 हजार है । इस आबादी में ज्यादा संख्या हमारे पशुपालक किसानों की है । पशुपालक किसान विशेषकर देसी गायों का पालन कर दूध का उत्पादन करते हैं । देसी गायों में दूध उत्पादन की क्षमता अधिक नहीं होती है, जिससे दूध का उत्पादन कम होता है, किन्तु यह सर्वविदित है कि देसी गायों का दूध पौष्टिकता से भरपूर होता है । दूध का उत्पादन कम होने से पशुपालक किसानों की आय भी कम होती है । इसलिए मेरा यह मानना है कि गायों की नस्ल में सुधार कर उनकी दूध उत्पादन क्षमता को बढ़ाया जा सकता है । इसकी वर्तमान में अत्यंत आवश्यकता है । गायों की नस्ल में सुधार हेतु हमारे क्षेत्र में अभी कोई परियोजना नहीं है, ऐसे में मेरे संसदीय क्षेत्रांतर्गत गौ वंश के विकास के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत एक पशु प्रजनन उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना करना अत्यंत आवश्यक है । इसके स्थापित होने से भारतीय जलवायु के अनुकूल साहिवाल एवं देसी नस्ल की गायों में उत्कृष्टता आएगी । देसी गायों से ही दूध के उत्पादन का एक नया कीर्तिमान बनेगा । जब ऐसा होगा तो स्वाभाविक है कि हमारे पशुपालक किसानों की आय में भी काफी वृद्धि होगी ।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कृषि विभाग के माननीय मंत्री जी से और पशुपालन विभाग के माननीय मंत्री जी से आग्रह कर रहा हूं कि मेरे संसदीय

क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना के तहत एक पशु प्रजनन उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना की जाए । धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष: श्री मुकेश राजपूत जी ।

डॉ. संजय जायसवाल (पश्चिम चम्पारण): अध्यक्ष महोदय, आपने इतनी अच्छी व्यवस्था लागू की है कि माननीय सदस्य कितने मिनट बोलेंगे, साथ ही उनका नाम, उनकी सीट नंबर आबंटित करने के लिए मैं पूरे सदन की तरफ से आपको बधाई देता हूं ।

माननीय अध्यक्ष: ढाई-तीन महीने बाद जब नए सत्र में आप आएंगे तो आपको और अच्छी व्यवस्था मिलेगी ।